दिल्ली में शिक्षा का गिरता हुआ स्तर और उसमें सुधार का सुझाव

ऐसी पढ़ाई का कोई फायदा नहीं जो हमें अच्छी नौकरी न दे सके।

हम सब दिल्ली के स्टूडेंट स्कूल में पढ़ाई की बिगड़ती हालत से इतने चिंतित हैं कि रात–रात भर सो नहीं सकते। स्कूल की पढ़ाई इतनी बेकार है कि हमारे भविष्य में काम नहीं आएगी। स्कूल का पाठ्यक्रम इतना पुराना और घिसा–पिटा है कि उसे पढ़ने के बाद भी स्टूडेंट अनपढ़ ही माना जाता है।

स्कूल टीचर क्लास में पढ़ाने की बजाए बच्चों को प्राइवेट ट्यूशन के दलदल में धकेल देते हैं। स्कूल और ट्यूशन के बाद भी जो स्टूडेंट दसवीं (10th) या बारहवीं (12th) क्लास भी पास कर लेता है उसे पहली क्लास की पढ़ाई भी नहीं आती। ऐसे दसवीं और बारहवीं तक के स्टूडेंट न तो अच्छी तरह हिंदी भाषा जानते हैं न गणित। और इंग्लिश भाषा में तो बहुत ही बुरा हाल है। कुछ तो ठीक तरह से बोल भी नहीं पाते। क्या यह है पढ़ाई?

स्कूल की पढ़ाई के बाद कॉलेज में दाखिला बहुत मुश्किल या असंभव है। कॉलेज की पढ़ाई खत्म करने के बाद भी नौकरी नहीं है क्योंकि स्कूल और कॉलेज की पढ़ाई इतनी दिशाहीन है कि यह हमें एक अच्छी नौकरी करने के योग्य नहीं बना सकती। इसका परिणाम यह है कि आज डिग्री वाले बेरोजगारों की संख्या बढ़ती जा रही है और बेरोज़गारी एक ख़तरनाक बीमारी की तरह फैली हुई है।

यहाँ तक कि भारत सरकार ने अपनी राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रारूप 2016 (Draft National Education Policy, 2016) में भारत की शिक्षा व्यवस्था में इतनी कमियाँ बताई हैं कि कुछ लोग तो अपने बच्चों को स्कूल या कॉलेज में भेजना ही बंद कर देंगे। जो विषय हमें स्कूल में पढ़ाए जाते हैं, वे नौकरी लेने में सहायक नहीं हैं। सरकारी नौकरियाँ न के बराबर हैं। बढ़ी कंपनियों में नौकरियाँ हैं लेकिन उन नौकरियों के लिए आधुनिक पढ़ाई चाहिए जो आम स्कूल और कॉलेज नहीं दे रहे।

आज के आधुनिक युग में नौकरी के लिए डिग्री से ज्यादा कौशल और योग्यता की जरूरत है। लेकिन ऐसा कौशल और योग्यता हमारी पढ़ाई का हिस्सा नहीं है। इसका परिणाम यह है कि जिसके पास डिग्री है, उसके पास नौकरी नहीं और जिसने नौकरी देनी है उसे योग्य लोग नहीं मिल रहे।

इसलिए हमारा **स्कूल टीचरों और सरकार से अनुरोध है** कि वे जल्दी से सारा पाठ्यक्रम और पढ़ाई का तरीका इस तरह से बदलें कि वह हमें नौकरी लेने में सहायक हो। इसी तरह स्कूल में टीचर भी वे रखे जाएं जो आधुनिक शिक्षा के बारे में पूरी तरह से जानते हों और हमें वैसा ही पढ़ाएं जो हमें अच्छी नौकरी लेने या अच्छा काम करने में सहायक हो। धन्यवाद।

(Signature campaign started in November 2017)

स्टूडेंट का नाम	स्कूल का नाम और पता	क्लास / रोल नंबर	सिगनेचर

दिल्ली में शिक्षा का गिरता हुआ स्तर और उसमें सुधार का सुझाव

ऐसी पढ़ाई का कोई फायदा नहीं जो हमें अच्छी नौकरी न दे सके।

(Signature campaign started in November 2017)

स्टूडेंट का नाम	स्कूल का नाम और पता	क्लास / रोल नंबर	सिगनेचर

दिल्ली में शिक्षा का गिरता हुआ स्तर और उसमें सुधार का सुझाव

ऐसी पढ़ाई का कोई फायदा नहीं जो हमें अच्छी नौकरी न दे सके।

(Signature campaign started in November 2017)

आज की स्कूल की पढ़ाई हमारे बच्चों के किसी काम नहीं आ रही। इसलिए शिक्षा प्रणाली में पूरी तरह से सुधार करके उसे तुरंत आधुनिक बनाया जाए ताकि नयी शिक्षा हमारे बच्चों को अच्छा इंसान बना सके और उन्हें अपनी जीविका कमाने और अच्छी नौकरी लेने में सहायता कर सके।

बच्चों के माता-पिता - Parents

नाम	घर का पता	मोबाइल नंबर	सिगनेचर